DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Curriculum under Choice Based Credit &

Grading System

M.A. I & II Year

Hindi

Semester–I to IV

run at college level from the

Academic Year 2015-16 & onwards

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University , Aurnagabad

Department of Hindi

SULLABUS FOR

CREDIT / SEMESTER BASED

M.A .HINDI (Autonomous Department)

W.E.F.JUNE , 2011(Academic Year , 2011-2012)

M.A Hindi

Semester - 1

	Theory Courses			
	Ref .No	**Subject Title**	**Credits**	**Work Load /Week Hours**
Core Coure	HIN 401	आदि तथा मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	4	5
	HIN 402	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	5
	HIN 403	भक्तिकालीन काव्य	4	5
Elective **वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग**	HIN 421	स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य	4	5
	HIN 422	उपन्यास साहित्य	4	5
	HIN 423	नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	HIN 424	स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य साहित्य	4	5
Semester: - II				
Core Coure	HIN 404	आधुनिक साहित्य का इतिहास	4	5
	HIN 405	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	5
	HIN 406	रीतिकालीन काव्य	4	5
Elective वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग	HIN 425	स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य	4	5
	HIN 426	कहानी साहित्य	4	5
	HIN 427	स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	HIN 428	स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गद्य साहित्य	4	5

Semester: - III				
Core Coure	HIN 501	भारतीय साहित्य : दक्षिण वर्ग	4	5
	HIN 502	भाषाविज्ञान	4	5
	HIN 503	स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता	4	5
Elective वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग	HIN 521	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	5
	HIN 522	भाषा शिक्षण	4	5
	HIN 523	राजभाषा प्रशिक्षण	4	5
	HIN 524	अनुवाद विज्ञान	4	5
Service Cource	HIN 541	माध्यमलेखन		
Semester : - IV				
Core - Coure	HIN 504	भारतीय साहित्य : उत्तरवर्ग	4	5
	HIN 505	हिंदी भाषा का इतिहास	4	5
	HIN 506	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता	4	5
Elective वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग	HIN 525	माध्यमलेखन	4	5
	HIN 526	हिंदी पत्रकारिता	4	5
	HIN 527	संप्रेषणमूलक व्यावसायिक हिंदी	4	5
	HIN 528	अनुवाद अभ्यास	4	5
Service Cource	HIN 542	अनुवाद - विज्ञान	4	5

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University , Aurnagabad

Department of Hindi

SULLABUS FOR

CREDIT / SEMESTER BASED

M.A .HINDI Semester I & II

(Autonomous Department)

W.E.F.JUNE , 2011(Academic Year , 2011-2012)

M.A Hindi

Semester - 1

	Theory Courses			
	Ref .No	**Subject Title**	**Credits**	**Work Load /Week Hours**
Core Coure	HIN 401	आदि तथा मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	4	5
	HIN 402	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	5
	HIN 403	भक्तिकालीन काव्य	4	5
Elective **वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग**	HIN 421	स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य	4	5
	HIN 422	उपन्यास साहित्य	4	5
	HIN 423	नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	HIN 424	स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य साहित्य	4	5
Semester: - II				
Core Coure	HIN 404	आधुनिक साहित्य का इतिहास	4	5
	HIN 405	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	5
	HIN 406	रीतिकालीन काव्य	4	5
Elective वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग	HIN 425	स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य	4	5
	HIN 426	कहानी साहित्य	4	5
	HIN 427	स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	HIN 428	स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गद्य साहित्य	4	5

एम.ए हिंदी : प्रथम वर्ष

प्रथम - सत्र

Core - Course : -

HIN - 401 आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

• **उद्देश्य : -** 1. साहित्येतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन 2. साहित्य और युग - बोध के संबंधो का अध्ययन 3. साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास	
• **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान 2.दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी , परिचर्चा एवं स्वाध्याय 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास परंपरा : - इतिहास से तात्पर्य , साहित्येतिहास की अवधारणा एवं स्वरुप , साहित्येतिहास और साहित्य विकास के सिध्दांत , हिंदी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री , हिंदी साहित्येतिहास लेखन : परम्परा और प्रयोग .	10
2.हिंदी साहित्य का आदिकाल : - पृष्ठभूमि , सिध्द , नाथ, जैन , रासो तथा शृंगार काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक परिचय प्रतिनिधि रचनाकार - सरहप्पा , शालिभद्र सूरि , गोरखनाथ , चंदबारदायी , नरपतिनाल्ह अमीर खुशरो , विद्यापती	10
3. भक्तिकाल : - पृष्ठभूमि , भक्ति - काव्य उद्भावना की विभिन्न मान्यताएँ	05

4.ज्ञानमार्गी काव्यधारा : - सन्तकाव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन ,सूफ़ीकाव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन , प्रतितिधि रचनाकार : कबीर , नानक, जायसी	10
5. सगुण काव्य धारा : - रामकाव्य तथा कृष्ण काव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार : तुलसीदास, सूरदास	10
6. रीतिकाल : - पृष्ठभूमि , रीतिबध्द , रीतिसिध्द तथा रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार , केशवदास , देव,बिहारी ,नृपशंभु , भूषण , घनानंद .	15

- **पाठयपुस्तकें : -**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास सं .डॉ नगेंद्र :
   मयुर पेपर बैक्स ,नोएडा .
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. माधव सोनटक्के ,
   विकास प्रकाशन , कानपुर .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. शुक्ल : नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी .
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास :गणपतिचंद्र गुप्त , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद व्दिवेदी , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद.
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ.बच्चन सिंह ,राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली .
5. हिंदी साहित्य का अतीत : डॉ.विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
   (भाग - 1 -2)
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद व्दिवेदी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

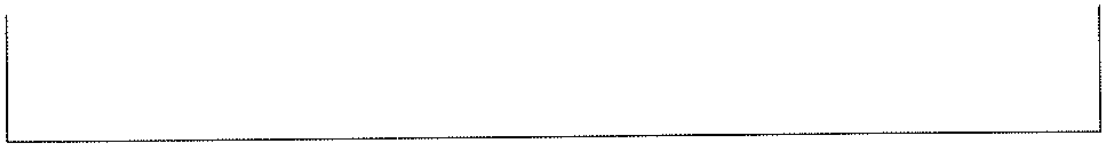

HIN - 402 : भारतीय साहित्यशास्त्र

• **उद्देश्य : -** 1. भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय 2. समीक्षात्मक दृष्टि का विकास 3. साहित्य सृजन , आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास	
• **अध्ययन - अध्यापन पध्दति : -** 1. व्याख्यान 2. गोष्ठी , चर्चा तथा स्वाध्याय 3. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग 4 . अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. रस सिध्दांत : रस का स्वरुप , भरत का रस- सूत्र, तथा लोलट , शंकूक, भट्ट नायक और अभिनव गुप्त की रस- सूत्र व्याख्या , रस निष्पति .	**15**
2. अलंकार सिध्दात : अलंकार - चिन्तन की परम्परा , अलंकार : स्वरुप, महत्व एवं वर्गीकरण	**10**
3. रीति सिध्दान्त : रीति से तात्पर्य , वामन के रीतिविषयक विचार, रीति के आधारभूत तत्व, रीति - भेद .	**10**
4. ध्वनि सिध्दान्त : ध्वनि से तात्पर्य ,ध्वनि- चिंतन की परम्परा और आनंदवर्धन , ध्वनि के प्रमुख भेद , ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद .	**10**
5. वक्रोक्ति सिध्दान्त : वक्रोक्ति से तात्पर्य , वक्रोक्ति चिन्तन की परम्परा ,कुंतक के वक्रोक्ति - विचार , वक्रोक्ति के प्रमुख - भेद .	**10**

6. औचित्य सिध्दान्त : औचित्य से तात्पर्य , औचित्य चिन्तन की परम्परा , आनंदवर्ध्दन के औचित्यविचार , आ. क्षेमेंन्द्र के औचित्य विचार , औचित्य का महत्व तथा औचित्य के अंग (तत्व).	**05**

- **पाठ्यपुस्तकें : -**

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ,
   लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दान्त : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
   लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. विश्व साहित्यशास्त्र - सं. डॉ. नगेंद्र
   नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी .

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - सेठ कन्हैयालाल पोद्दार ,
   नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी .

3. रस सिध्दान्त : डॉ. नगेंद्र
   नेशनल पब्लिसिंग हाउस , नई दिल्ली

4. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

5. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली.

HIN - 403 : भक्तिकालीन काव्य

• **उद्देश्य : -** 1. भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन 2. सगुण - निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं का अध्ययन 3. भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाव्य के योगदान का अध्ययन	
• **अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान पद्धति 2. शिक्षक - छात्र संवाद पद्धति 3. संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन 4. विशेषज्ञों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि : ज्ञानमार्गी तथा सगुण भक्तिकाव्य	**05**
2. **कबीर :** साहित्य , भक्ति भावना ,समाज दर्शन ,विद्रोह - भावना , काव्यकला	**15**
3. सूरदास : साहित्य , भक्तिभावना , वात्सल्य , काव्यकला	**10**
4.सूरदास : भ्रमरगीत : संवेदना और शिल्प	**10**
5. तुलसी : साहित्य , लोकमंगल , सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टि	**10**
6. तुलसी : रामचरितमानस : कथ्य और शिल्प .	**10**

- **पाठयपुस्तकें : -**

1. कबीर : हजारीप्रसाद व्दिवेदी : राजकमल प्रकाशन , दिल्ली
   (संसंदर्भ के लिए पद. दोहा .क्र 160 से 209 तक)
2. भ्रमरगीत : सं. रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन
   (संसंदर्भ के लिए पद .क्र ,दोहा 21 से 70 तक)
3. रामचरित मानस : तुलसीदास : लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
   (संसंदर्भ के लिए उत्तरकांड)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भक्तिकाव्य यात्रा : डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद .
2. कबीर , सूर,तुलसी : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह : लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
3. सूरदास : आ. रामचंद्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली .
4. गोस्वामी तुलसीदास : आ. रामचंद्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली .
5. तुलसीदास : डॉ. रामचंद्र तिवारी - वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली .
6. भक्ति आंदोलन का : इतिहास और संस्कृति : डॉ. कुँवरपाल सिंह - वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
7. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ.रामचंद्र तिवारी - विश्वविद्यालय प्रकाशन -वाराणसी .
8. भ्रमरगीत एक मूल्याकंन : हरिश्चंद शर्मा - विश्वविद्यालय प्रकाशन -वाराणसी .
9. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्याकंन : देवेंद्र शर्मा, वचन देव कुमार . नेशनल पब्लिसिंग हाउस नई दिल्ली .
10. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया : देवश ठाकुर, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

Electives : -

- **वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग**
- **HIN - 421 : स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य**

- **उद्देश्य: -**
  1. स्वतंत्रता पूर्व गद्य साहित्य की परम्परा का परिचय
  2. कहानी ,नाटक तथा निबंध विधा का अध्ययन
  3. साहित्य आस्वादन तथा मूल्याकंन क्षमता का विकास

- **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -**
  1. व्याख्यान पद्धति
  2. गोष्ठी , परिचर्चा , तथा स्वाध्याय
  3. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
  4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. स्वतंत्रतापूर्व कहानी साहित्य और प्रेमचंद	**05**
2. '' प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानी '' संकलन की कहानियों की संवेदना और शिल्प	15
3. स्वतंत्रतापूर्व नाट्य साहित्य और जयशंकर प्रसाद	05
4. चंद्रगुप्त नाटक की संवेदना और नाट्यशिल्प	15
5. स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य साहित्य और महादेवी	
6. '' शृंखला की कडियाँ '' के निबंधों में व्यक्त विचार और शिल्प - विधान	

- **पाठय पुस्तकें : -**

1.प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ सं. भीष्म साहनी राजकमल पेपर बैक्स :
राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .

(पाठयक्रम में समाविष्ट कहानियाँ : बडे भाई साहब , पूस की रात ,नमक का दरोगा , सवा सेर गेहूँ , शतरंज के खिलाडी , आत्माराम , ठाकूर का कुआँ ,सद्गति,पंच परमेश्वर , कफन)

2. चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद :
लोकभारती प्रकाशन ,नई दिल्ली .

3. शृखंला की कडियाँ : महादेवी वर्मा :
लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली .

(समाज और व्यक्ति तथा जीने की कला को छोडकर शेष निबंध).

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. प्रेमचंद कहानी का रहनुमा : डॉ. जाफर रजा,
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

2. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प : शिवकुमार मिश्र
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगनाथ प्रसाद ,
वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

4. नाट्यालोचन : डॉ. माधव सोनटक्के ,
विकास प्रकाशन , कानपुर .

5. हिंदी निबंध के सौ वर्ष : डॉ.उपाध्याय ,
लिपि प्रकाशन ,मोहसाणा .

HIN - 422 : उपन्यास साहित्य

• **उद्देश्य : -** 1. हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासात्मक अध्ययन 2. उपन्यास : आस्वाद तथा आलोचन क्षमता का विकास 3. हिंदी उपन्यास और युग - बोध की परख	
• **अध्ययन - अध्यापन : -** 1. व्याख्यान 2. दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी , चर्चा तथा स्वाध्याय 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठ्यांश : -**	**तासिकाएँ**
1. हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद .	**05**
2. गोदान और भारतीय किसान , गोदान में गाँव और शहर , महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना ,गोदान के मुख्य - चरित्र , गोदान में यथार्थ और आदर्श , गोदान का शिल्प	**15**
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास और हजारीप्रसाद द्विवेदी .	**05**
4. बाणभट्ट की आत्मकथा , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि , आधुनिकता, निपुणिता और नारीमुक्ति की आकांक्षा ,प्रमुख चरित्र, शिल्प - विधान , भाषा - सौष्ठव	**15**
5. आँचलिक उपन्यास और फणीश्वरनाथ रेणू	**05**
6.मैला आँचल: वस्तु विन्यास और शिल्प ,लोकसंस्कृति और भाषा , ग्राम जीवन में होनेवाले आर्थिक - राजनैतिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता का चित्रण ,प्रमुख चरित्र.	**15**

- **पाठ्य-पुस्तकें : -**

1. गोदान : प्रेमचंद -
   सुमित्रा प्रकाशन , इलाहाबाद .
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद व्दिवेदी -
   राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली .
3. मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु -
   राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. गोदान : संवेदना और शिल्प -डॉ. चंद्रशेखर कर्ण -
   जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित समस्याएँ - डॉ. एम.विमला -
   जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद .
3. हिंदी उपन्यासों के सौ वर्ष - सं .डॉ. रामदरश मिश्र - गिरनार प्रकाशन , मेहसाना
4. हिंदी उपन्यासों में सामाजिक चेतना - लालसाहब सिंह , नमन प्रकाशन नई दिल्ली
5. हिंदी के आँचलिक उपन्यास - डॉ.विद्याधर व्दिवेदी - चिंतन प्रकाशन, कानपूर
6. आँचलिक उपन्यासों में ग्राम्यजीवन - डॉ उत्तमभाई पटेल -
   क्वालिटी बुक्स , कानपूर .
7. उपन्यास : स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदिवडेकर -
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
8. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार - डॉ. व्दारिका सक्सेना-
   विश्वभारती पब्लिकेशन दिल्ली .
9. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास - डॉ. रामगोपाल चौहान -
   विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा .
10. फणीश्वरनाथ रेणु- व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व . डॉ. हरिशंकर दुबे .

HIN - 423 : स्वतंत्रतापूर्व नाटक साहित्य

- **उद्देश्य : -**
  1. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच का अध्ययन
  2. नाट्यास्वादन तथा नाट्य - मूल्याकंन क्षमता का विकास
  3. स्वतंत्रतापूर्व जन संवेदना का नाट्य साहित्य द्वारा परिचय

- **अध्ययन - अध्यापन पध्दती : -**
  1. व्याख्यान
  2. नाट्य- मंचन और प्रदर्शन
  3. दृक -श्रव्य साधनों का प्रयोग
  4. गोष्ठी , परिचर्चा , का आयोजन
  5. नाट्य समीक्षा का अभ्यास

• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. स्वतंत्रतापूर्व नाटक तथा रंगमंच का विकासक्रम	**05**
2. भारतेंदु हरिश्चद्र का नाट्य - साहित्य	**05**
3. अंधेर नगरी : संवेदना और रंगशिल्प	**10**
4. जयशंकर प्रसाद का नाट्य -साहित्य	**10**
5. स्कंदगुप्त : संवेदना और रंगशिल्प	**10**
6. लक्ष्मीनारायण मिश्र का नाट्य - साहित्य , वितस्ता की लहरें : संवेदना और शिल्प	**20**

- **पाठय-पुस्तकें : -**

1. अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र -
   लोकभारती प्रकाशन सं. परमानंद श्रीवास्तव
2. स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद -
   लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
3. वितस्ता की लहरें : लक्ष्मी नारायण मिश्र -
   लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भारतेंदु युगीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
   डॉ. कमला कानोडिया : विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
2. भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन
   गोपीनाथ तिवारी : राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .
3. भारतेंदु हरिश्चंद्र
   डॉ. लक्ष्मीसागर वैष्णव साहित्यभवन प्रा.लि. इलाहाबाद .
4. प्रसाद के नाटक : रचना और प्रक्रिया
   डॉ.जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव : साहित्यभवन प्रा.लि. इलाहाबाद .
5. जयशंकर '' प्रसाद '' और लक्ष्मीनारायण मिश्र के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन
   शशी शेखर नैथानी : विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी .
6. नाट्यालोचन
   डॉ. माधव सोनटक्के : विकास प्रकाशन कानपुर .
7. नाटककार जयशंकर प्रसाद :
   सं. सत्येनकुमार तनेजा : राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली .
8. समस्या नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र
   डॉ. कर्णसिंह भाटी : तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली .

HIN - 424 : स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य

- **उद्देश्य : -**
  1. हिंदी की स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य विधाओं का परिचय -
  2. निबंध ,जीवनी ,रेखाचित्र , संस्मरण , डायरी आदि का अध्ययन करना ।

- **अध्यापन पद्धति : -**
  1. व्याख्यान , चर्चा
  2. प्रकल्प लेखन
  3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

• पाठय-विषय : -	तासिकाएँ
1. हिंदी निबंध का विकासक्रम और आ. रामचंद्र शुक्ल	05
2. चिंतामणि : विचार एवं रचना शिल्प	15
3. संस्मरण साहित्य का विकासक्रम और बेनीपुरी	05
4. मुझे याद है - संवेदना और शिल्प	15
5. रेखाचित्र - संस्मरण और महादेवी	05
6. अतीत के चलचित्र - संवेदना और शिल्प.	15

- **पाठय-पुस्तकें : -**
  1. चिंतामणि , आ. रामचंद्र शुक्ल , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
  2. मुझे याद है , रामवृक्ष बेनीपूरी , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .
  3. अतीत के चलचित्र , महोदवी वर्मा , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**
  1. हिंदी गद्य का परिप्रेक्ष्य , डॉ.सत्येंद्र , कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर .
  2. हिंदी निबंध के सौ वर्ष , डॉ. उपाध्याय , नि प्रकाशन , मोहसाणा .
  3. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार , डॉ. विनोद , पुस्तक मंदिर आगरा .

4. महादेवी का संस्मरणात्मक गद्य : चरनसखी शर्मा
शोध प्रबंध प्रकाशन , दिल्ली .

5. महीयसी महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय ,
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्यसाहित्य ,डॉ. अशोक सिंह
लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए हिंदी :प्रथम वर्ष
व्दितीय -सत्र

Core Course : -

HIN : 404 - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

• **उद्देश्य : -** 1. आधुनिक हिंदी साहित्य की परंपरा का अध्ययन 2. इतिहास - बोध का अध्ययन 3. ऐतिहासिक आलोचना का अध्ययन 4. साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधो का अध्ययन	
• **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान 2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी , चर्चा तथा स्वाध्याय	
• पाठ्यांश : -	तासिकाएँ
1. आधुनिककाल , पृष्ठभूमि , भारतेंदु तथा महावीर प्रसाद व्विवेदी युगीन काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार : भारतेंदु ,अंबिकादत्त व्यास , आयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध मैथिलीशरण गुप्त	10
2. स्वछंदतावादी कविता : पृष्ठभूमि ,छायावादी काव्य ,राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा , हालावादी काव्यधारा , प्रतिनिधिकवि - प्रसाद ,पंत ,निराला महोदवी , बालकृष्ण शर्मा नवीन , दिनकर , बच्चन .	10
3. प्रगतिवादी - प्रयोगवादी तथा नयी कविता : पृष्ठभूमि ,प्रवृतियाँ : प्रतिनिधि कवि - केदारनाथ अग्रवाल , नागार्जून ,अज्ञेय , भारती , मुक्तिबोध , रघुवीर सहाय, शमशेर , सर्वेश्वरदयाल सक्सेना .	10

4. साठोत्तरी तथा समकालीन कविता : पृष्ठभूमि प्रवृतियाँ , प्रतिनिधि कवि :धूमिल , केदारनाथ सिंह ,राजेश जोशी , उदय प्रकाश	10
5. गद्य विधा का विकास : कहानी , उपन्यास , नाटक , तथा निबंध , ललित निबंध	10
6. गद्य विधा का विकास : जीवनी , आत्मकथा , संस्मरण , रेखाचित्र , व्यंग्य .	**10**

- **पाठयपुस्तकें : -**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास -सं. नगेंद्र . मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
2. हिंदी साहित्य का इतिहास . डॉ. माधव सोनटक्के , विकास प्रकाशन ,कानपुर .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. रणसुभे : विकास प्रकाशन ,कानपुर .
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त : लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद .
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र : जयभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

HIN : 405 - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

- **उद्देश्य : -**

  1. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन का परिचय
  2. अद्यतन आलोचना दृष्टि का अध्ययन
  3. साहित्य सृजन , आस्वादन तथा मूल्याकंन क्षमता का विकास

- **अध्ययन - अध्यापन : -**

  1. व्याख्यान
  2. गोष्ठी , परिचर्चा तथा स्वाध्याय
  3. दृक -श्रव्य साधनों का प्रयोग
  4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. अरस्तू के काव्य - सिध्दान्त : अरस्तू का परिचय ,अनुकरण सिध्दान्त , त्रासदी सिध्दान्त	**10**
2. लौंजाइन्स के काव्य सिध्दान्त : लौंजाइन्स का परिचय , उदात्त से तात्पर्य ,उदात्त का काव्य में महत्व , उदात्त के अंतरंग , बहिरंग तथा अवरोधक तत्व .	**10**
3. विलियम वर्डस्वर्थ के काव्य - विचार : वर्डस्वर्थ का परिचय ,वर्डस्वर्थ के कवि , काव्य , काव्य- प्रयोजन , काव्य विषय तथा काव्य - भाषा विषयक विचार	**10**
4. टी.एस.इलियट के काव्य - सिध्दान्त : इलियट परिचय , इलियट का क्लासिकवाद , परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वेयक्तिकता का सिध्दान्त , वस्तुनिष्ठ समीकरण , संवेदनाशीलता का असहचर्य .	**10**

5. प्रमुखवाद : अभिव्यंजनावाद , अस्तित्ववाद ,उत्तर आधुनिकता , विखण्डनवाद	10
6. प्रमुख आलोचना दृष्टियाँ : मार्क्सवादी , मनोवैज्ञानिक , शैली वैज्ञानिक , नयी समीक्षा .	**10**

- **पाठयपुस्तकें : -**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद .

2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दान्त : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य - सिध्दान्त : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास , सिध्दान्त और वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र , विश्वविद्यालय , प्रकाशन, वारणासी .

2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा , मयूर पेपर बैक्स , नोएडा

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तुलनात्मक अध्ययन - डॉ.बच्चन सिंह : हरियाणा अकादमी, पंचकुला .

4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह , जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. काव्यशास्त्र तथा साहित्यलोचन : डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय , ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर .

6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रुपरेखा : डॉ. तेजपाल चौधरी विकास प्रकाशन, कानपुर .

HIN : 406 - रीतिकालीन काव्य

- **उद्देश्य : -**

  1. रीतिकालीन कविता की पृष्ठिभूमि का अध्ययन दरबारी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में
  2. रीतिकाव्य का अध्ययन
  3. रीतिकाव्य की विविध धाराओं का अध्ययन

- **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -**

  1. व्याख्यान पद्धति
  2. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन
  4. विशेषज्ञों के व्याख्यान

. **पाठ्यविषय : -**	**तासिकाएँ**
1. रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि , प्रवृत्तियाँ , काव्यधाराएँ	**05**
2. बिहारी : सौंदर्य -भावना , बहुज्ञता , काव्यकला	**20**
3. भूषण : साहित्य , युगबोध ,काव्यकला	**10**
4. भूषण : राष्ट्रीयता , देशभक्ति	**05**
5. घनानंद : साहित्य , विरह,- वर्णन	**10**
6. घनानंद : स्वच्छंद योजना , प्रेम- व्यजंना , काव्यकला	**10**

- **पाठयपुस्तकें : -**

  1. बिहारी प्रकाश - संपा .विश्वनाथप्रसाद मिश्र , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
     (आरंभिक पचास दोहे)
  2. भूषण - भूषण ग्रंथावली - संपा . विजयपाल सिंह , जयभारती प्रकाशन
     शिवराज भूषण - 4 से 14 तक , 25 से 31 तक

शिवाबावजी - 2 से 12 तक

श्री छत्रसाल दशक - 1 से 10 तक

3 . घनानंद कविता : सं. लक्ष्मणदत्त गौतम अशोक प्रकाशन, दिल्ली

(कविता 1 से 20 तक)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

2. डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

3. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक - सामाजिक अध्ययन , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

4. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

5.भूषण : राजमल बोरा , नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,इलाहाबाद .

6. घनानंद :एक अध्ययन - रामप्रसाद - भारतीय ग्रंथ निकेतन , दिल्ली

7. बिहारी : व्यक्तित्व एवं जीवन दर्शन : रमेशचंद्र - नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,नई दिल्ली

8. महाकवि घनानंद - डॉ. राज बुध्दिराजा , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली .

Electives : -

- **वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग**
- **HIN - 425 : स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य**

- **उद्देश्य : -**
  1. स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य परम्परा का परिचय
  2. साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास
  3. उपन्यास , आत्मकथा तथा कहानी विधा का अध्ययन

- **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -**
  1. व्याख्यान पद्धति
  2. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन
  4. विशेषज्ञों के व्याख्यान

• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य और कमलेश्वर	**05**
2. कितने पाकिस्तान : संवेदना और शिल्प	**15**
3. स्वातंत्र्योत्तर आत्मकथा साहित्य और मन्नु भंडारी	**05**
4. " एक कहानी यह भी " : संवेदना और शिल्प	**15**
5. स्वातंत्र्योत्तर व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई	**05**
6. प्रतिनिधि व्यंग्य में संकलित रचनाओं का मूल्यांकन	**15**

- **पाठयपुस्तकें : -**
  1. कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर , राजपाल एक सन्ज , काश्मिरी गेट ,दिल्ली -6
  2. एक कहानी यह भी : मन्नुभण्डारी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
  3. प्रतिनिधि व्यंग्य : हरिशंकर परसाई - राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

  (पाठ्क्रम में सम्मलित रचनाए : हरिशंकर परसाई - राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली लिटरेचर ने मारा तुम्हे , पगडण्डियों का जमाना , विकलांग श्रध्दा का दौर

,वैष्णव की फिसलन , अकाल उत्सव , ठिठुरता गणतंत्र , इस्पेक्टर मातादीन चाँद पर एक लडकी पांच दीवाने)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व और कृतित्व
   डॉ. मनोहर देवलिया ,साहित्यवाणी , इलाहाबाद .
2. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग - चेतना
   डॉ. आभा भट्ट :जयभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
3. हिंदी आत्मकथा : स्वरुप एवं साहित्य
   कमलेश्वर नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,नई दिल्ली .
4. कमलेश्वर : डॉ. मधुकर सिंह , शब्दकार , दिल्ली .
5. कमलेश्वर के उपन्यासों में नारी
   डॉ. भगवान गव्हाडे , समता प्रकाशन , कानपुर .
6. उपन्यास : समय और संवेदना
   डॉ. विजय बहादुरसिंह , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
7. समकालीन हिंदी उपन्यास : समय और संवेदना
   डॉ. वी.के. अब्दुल जलील, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

HIN : 426 - कहानी साहित्य

- **उद्देश्य : -**
  1. बीसवी सदी की हिंदी कहानी का परिचय
  2. हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलनो का परिचय
  3. हिंदी के प्रमुख कहानीकारों का परिचय
  4. समकालीन दलित विमर्श ,स्त्री विमर्श , आदिवासी विमर्श से परिचय
  5. कहानी विधा का तात्विक विवेचन एवं महत्व

- **अध्यापन पद्धति : -**
  1. व्याख्यान / चर्चा
  2. प्रकल्प लेखन
  3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

• **पाठयक्रम : -**	**तासिकाएँ**
1. आधुनिक हिंदी कहानी का विकास	**05**
2. श्रेष्ठ महिला कथालेखिकाओं की कहानियों का मूल्यांकन	15
3. दलित साहित्य : तात्पर्य एवं विकास	**05**
4. श्रेष्ठ दलित कथाकार और उनकी कहानियों का विवेचन	**15**
5. " हिंदी कहानियों के अठारह कदम " में संकलित कहानियों का संवेदना -पक्ष	**10**
6. " हिंदी कहानियों के अठारह कदम " में संकलित कहानियों के आधार पर हिंदी कहानी साहित्य के शिल्प - विधान का विकासात्मक अध्ययन ।	**10**

- **पाठयपुस्तकें : -**

1. श्रेष्ठ महिला कथाकार - सं . ममता कालिया :
लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ : -
सिक्का बदल गया , तीसरा हिस्सा , मलबा ,तीन किलो की छोरी , मामला आगे बढेगा अभी ,बन्तो , एक पेड की मौत , सुनंदा छोकरी की डायरी, आपकी छोटी लडकी)

2. श्रेष्ठ दलित कहानियाँ - सं. मार्कण्डेय ,
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ : -
घायल शहर की एक बस्ती ,शवयात्रा , अब नहिं नाचब , दाग दिया सच ,उसका फैसला , और रास्ता खुल गया ,बदबू ,पैशाचिक)

3. हिंदी कहानी के अठारह कदम : सं.बटरोही.
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ : -
उसने कहा था , क : पंथा : फूलों का कुरता, रोज, परिंदे , अर्ध्दांगिनी , पिता, याक्षिणी प्रश्न , पॉल गोमरा का स्कूटर)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना - डॉ. साधना शहा - वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

2. हिंदी कहानी का विकास डॉ. देवेश ठाकुर - संकल्प प्रकाशन , मुंबई .

3. नई कहानी पुनर्विचार - मधुरेश - नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली

4. अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - सं. यादव / वर्मा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली .

5. स्त्रीत्ववादी विमर्श , समाज और साहित्य -क्षमा शर्मा - राजकमल प्रकाशन

6. दलित विमर्श की भूमिका - कँवल भारती - इतिहासबोध प्रकाशन , इलाहाबाद .

7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमार लिंबाले -
राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली .

8. नई सहस्त्राब्दी का दलित आंदोलन मिथक एवं यथार्थ - डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव -
ओमेगा पब्लिकेशन्स , दिल्ली .

9. हिंदी साहित्य की कतिपय विशिष्ट महिलाएँ एवं उनकी रचनाएँ - डॉ.देवकर्ण मौर्य
शैलजा प्रकाशन , कानपूर

HIN : 427 - स्वातंत्र्योत्तर नाटक तथा एकांकी साहित्य

- **उद्देश्य : -**
  1. स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं रंगमंच का अध्ययन
  2. नाट्यास्वाद तथा नाट्यालोचन संस्कार का विकास

- **अध्यापन पद्धति : -**
  1. व्याख्यान / चर्चा
  2. प्रकल्प लेखन
  3. दृक - श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1 स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं रंगमंच का विकासक्रम	05
2. आगराबाजार : संवेदना और रंगशिल्प , स्वातंत्र्योत्तर नाटकों में हबीब तनवीर का योगदान	15
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में महिला रचनाकारों का योगदान और मृदुला गर्ग का नाट्य साहित्य .	05
4. जादू का कालीन : संवदेना और रंगशिल्प	15
5. हिंदी एकांकी साहित्य का विकासक्रम	05
6. महाभारत की एक साँझ , आप न बदलेंगे तथा अपहरण भाईचारे का शीर्षित एकांकी का संवेदना और शिल्प की दृष्टि से अध्ययन	15

- **पाठयपुस्तकें : -**
  1. आगरा बाजार : हबीब तनवीर :
     वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

2. जादू का कालीन : मृदूला गर्ग :

राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .

3. नाटक आज तक : सं. जी. भास्कर भैया :

लोकभारती प्रकाशन ,नई दिल्ली .

(अंधेर नगरी को छोडकर शेष एकांकी)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि -

डॉ . मदन मोहन भारव्दाज : नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,नई दिल्ली .

2. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक -

डॉ. नवनीत चौहान : अस्थाना प्रकाशन , भोपाल .

3. बीसवीं शती का हिंदी नाटक और रंगमंच -

डॉ. गिरीश रस्तोगी : भारती ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली .

4. हिंदी नाटक आज तक -

डॉ. वीणा गौतम : शब्दसेतु प्रकाशन , नई दिल्ली .

5. रंग हबीब -

डॉ . भारद्वाज भार्गव : राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .

6. समकालीन रंगधर्मी नाटककार -

लवकुमार लवलीन , विकास प्रकाशन , कानपुर .

HIN : 428 -स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गदय

- **उद्देश्य : -**

1. हिंदी की स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गद्य -विधाओं का परिचय - जीवनी , आत्मकथा, संस्मरण आदि का अध्ययन करना ।
2. स्वातंत्र्योत्तर आत्मकथा एवं जीवनी के माध्यम से आधुनिक मानवीय जीवन पर प्रकाश डालना है ।

- **अध्यापन पद्धति : -**

1. व्याख्यान , चर्चा
2. प्रकल्प लेखन
3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

• **पाठय- विषय : -**	**तासिकाएँ**
1. जीवनी साहित्य : स्वरुप तथा विकासक्रम	05
2. आवारा मसिहा - संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
3. यात्रा - साहित्य : स्वरुप तथा विकासक्रम	05
4. एक बूँद सहसा उछली : संवेदना और शिल्प	15
5 ललित निबंध :स्वरुप तथा विकास	05
6. फिर बैतलवा डाल पर - संवेदना और शिल्प	15

- **पाठ्य-पुस्तकें : -**

1. आवारा मसिहा , विष्णू प्रभाकर : राजपल एक सन्स, नयी दिल्ली .
2. एक बूँद सहसा उछली : अज्ञेय , भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली .
3. फिर बैतलवा डाल पर , विवेकीराय , भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेंद्र माथुर
साहित्य प्रकाशन , मालीवाडा दिल्ली .

2. हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी
विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी .

3. हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्त्युत्तर यात्रा साहित्य :डॉ. ईरेश स्वामी
अन्नपूर्णा प्रकाशन ,कानपूर .

4. हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन
आत्माराम एण्ड सन्स ,नई दिल्ली .

5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्याएँ : प्रो. रामस्वरुप चतुर्वेदी
ज्ञानपीठ प्रकाशन , नई दिल्ली .

6. हिंदी आत्मकथा : स्वरुप एवं साहित्य :कमलेश सिंह
नेशनल पब्लिसिंग हाउस , नई दिल्ली .

7. हिंदी यात्रा साहित्य और स्त्री यात्रा साहित्यकार : डॉ. बी. आर धापसे,
कीर्ति प्रकाशन , औरंगाबाद .